NEWS CLIPPING: 28.08.2021

PUNJAB KESARI

एआईसीटीई ने वि.वि को बनाया 'ब्रांड एंबेसडर ऑफ चेंज'

देश में ऑनलाइन टीचिंग-लर्निंग प्रणाली को मजबूती बनाने में नेतृत्व कर रहा जेसी बोस विश्वविद्यालय

फरीदाबाद, 27 अगस्त (पूजा शर्मा): अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद का चयन लीडरशिप इन टीचिंग एक्सीलेंस (लाइट) प्रोग्राम के तहत ब्रांड एंबेसडर ऑफ चेंज के रूप में किया गया है।

जेसी. विश्वविद्यालय हरियाणा का एकमात्र संबद्धक विश्वविद्यालय है जिसे देश के 21 राज्य संबद्धक विश्वविद्यालयों में शामिल किया गया है।

देश में नई शिक्षा नीति में निहित ऑनलाइन टीचिंग-लर्निंग पद्धतियों को लागू करने करने की योजना के तहत विश्वविद्यालय शिक्षण में उत्कृष्टता लाने के लिए नेतृत्व करने वाले एक आदर्श संस्थान के रूप काम करेगा। एआईसीटीई का लक्ष्य ब्रांड एंबेसडर ऑफ चेंज संस्थानों के माध्यम से शैक्षणिक सत्र 2022-23 से देश में लाइट प्रोग्राम का विस्तार अपने संबद्ध कालेजों तक करना है।

कार्यक्रम के अंतर्गत कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग की दो सहायक प्रोफेसर डॉ. पायल गुलाटी और अमिता अरोड़ा का चयन कार्यक्रम के तहत नेतृत्व प्रशिक्षण के लिए किया गया है। प्रोग्राम के अगले चरण में प्रदर्शन के आधार पर दोनों में से एक शिक्षक का चयन माइनर डिग्री प्रोग्राम के कार्यान्वयन के लिए संकाय समन्वयक के रूप में चुना जाएगा।

लीडरशिप इन टीचिंग एक्सीलेंस शिक्षा मंत्रालय की पहल है जोकि एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों का चयन कर उन्हें सॉफ्टवेयर उद्योग मानकों के अनुरूप

शिक्षण उत्कृष्टता के लिए सक्षम बनाना है ताकि ऐसे शिक्षण उत्कृष्टता के अनुरूप देश के अन्य शैक्षणिक संस्थानों को तैयार किया जा सके।

कार्यक्रम के लिए विश्वविद्यालय के चयन पर प्रसन्नता जताते हुए प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय ने डिजिटल टीचिंग एवं लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहल की हैं। इस कार्यक्रम का हिस्सा बनकर विश्वविद्यालय को देशभर के अन्य संस्थानों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा करने और नई शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहयोग देने लिए एक उपयुक्त मंच प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने हमेशा शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ावा देने की पहल की है और उच्च मानदंड स्थापित किये है। उन्होंने आशा जताई कि कार्यक्रम का हिस्सा बनकर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक क्षमताओं का विस्तार होगा।

कंप्यूटर इंजीनियरिंग के अध्यक्ष प्रो. कोमल कुमार भाटिया ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय ने कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए प्यूपिल फर्स्ट प्राइवेट लिमिटेड जोकि एक शैक्षणिक प्रौद्योगिकी संगठन है, के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने होंगे। प्यूपिल फर्स्ट केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय की प्रौद्योगिकी हेतु राष्ट्रीय शैक्षिक गठबंधन योजना का संस्थापक सदस्य है, जोकि एआईसीटीई द्वारा संचालित की जा रही है। कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि 28 राज्यों के 475 शैक्षणिक संस्थानों ने लाइट कार्यक्रम के लिए आवेदन किया था।

NEWS CLIPPING: 28.08.2021

PIONEER

टीचिंग-लर्निंग प्रणाली में नेतृत्व कर रहा जेसी बोस

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद का चयन लीडरशिप इन टीचिंग एक्सीलेंस प्रोग्राम के तहत ब्रांड एंबेसडर ऑफ चेंज के रूप में किया गया है।

जेसी विश्वविद्यालय हरियाणा का एकमात्र संबद्धक विश्वविद्यालय है जिसे देश के 21 राज्य संबद्धक विश्वविद्यालयों में शामिल किया गया है। देश में नई शिक्षा नीति में निहित ऑनलाइन टीचिंग-लर्निंग पद्धतियों को लागू करने करने की योजना के तहत विश्वविद्यालय शिक्षण में उत्कृष्टता लाने के लिए नेतृत्व करने वाले एक आदर्श संस्थान के रूप काम करेगा। एआईसीटीई का लक्ष्य ब्रांड एंबेसडर ऑफ चेंज संस्थानों के माध्यम से शैक्षणिक सत्र 2022-23 से देश में लाइट प्रोग्राम का विस्तार अपने संबद्ध कालेजों तक करना है।

कार्यक्रम के अंतर्गत कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग की दो सहायक प्रोफेसर डॉ. पायल गुलाटी और अमिता अरोड़ा का चयन कार्यक्रम के तहत नेतृत्व प्रशिक्षण के लिए किया गया है। प्रोग्राम के अगले चरण में प्रदर्शन के आधार पर दोनों में से एक शिक्षक का चयन माइनर डिग्री प्रोग्राम के कार्यान्वयन के लिए संकाय समन्वयक के रूप में चुना जाएगा। लीडरशिप इन टीचिंग एक्सीलेंस शिक्षा मंत्रालय की पहल है जोकि एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों का चयन कर उन्हें सॉफ्टवेयर उद्योग मानकों के अनुरूप शिक्षण उत्कृष्टता के लिए सक्षम बनाना है ताकि ऐसे शिक्षण उत्कृष्टता के अनुरूप देश के अन्य शैक्षणिक संस्थानों को तैयार किया जा सके।

कार्यक्रम के लिए विश्वविद्यालय के चयन पर प्रसन्नता जताते हुए प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय ने डिजिटल टीचिंग एवं लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहल की हैं। इस कार्यक्रम का हिस्सा बनकर विश्वविद्यालय को देशभर के अन्य संस्थानों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा करने और नई शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहयोग देने लिए एक उपयुक्त मंच प्राप्त होगा।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR (1969-2019)

NEWS CLIPPING: 28.08.2021

AMAR UJALA

जेसी बोस विवि का यूटोपियन ड्रीम्स से समझौता

28.8.2021 A Ujala

फरीदाबाद। विद्यार्थियों को औद्योगिक प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने सॉफ्टवेयर प्रदाता कंपनी यूटोपियन ड्रीम्स के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग और कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विकास चंद ने हस्ताक्षर किये। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि नई एवं उभरती प्रौद्योगिकियों से संबंधित औद्योगिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय अपने शैक्षणिक पाठ्यक्रम को अपग्रेड करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। डीन प्लेसमेंट प्रो. विक्रम सिंह ने कहा कि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद ने विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप को अनिवार्य किया गया है, को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय काम कर रहा है। ब्यूरो

NEWS CLIPPING: 28.08.2021

AMAR UJALA

A.U. 28.8.2021

शिक्षा में गुणवत्ता पर संगोष्ठी

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर (रेवाड़ी) के संयुक्त तत्वावधान में गुणवत्ता शिक्षा में आधुनिक रुझान विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें दोनों विश्वविद्यालयों के 178 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसकी शुरुआत आईजीयू के रसायन विज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ. रश्मि पुंडीर द्वारा कार्यक्रम परिचय से हुई। जेसी बोस विश्वविद्यालय से गुणवत्ता आश्वासन मामलों के डीन प्रो. संदीप ग्रोवर तथा कंप्यूटर केंद्र एवं डिजिटल मामलों की निदेशक डॉ. नीलम दुहन मुख्य वक्ता रहे। आईजीयू के भौतिकी विभाग से प्रो. विजय कुमार ने भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए अनिवार्य गुणवत्ता मानदंडों को समझाया। ब्यूरो

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 28.08.2021

HINDUSTAN

जेसी बोस विश्वविद्यालय के दो शिक्षक प्रशिक्षण के लिए चयनित

उपलब्धि

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का चयन लीडरशिप इन टीचिंग एक्सीलेंस (लाइट) प्रोग्राम के तहत ब्रांड एंबेसडर ऑफ चेंज के रूप में किया गया है। यह विश्वविद्यालय हरियाणा का एकमात्र संबद्धक विश्वविद्यालय है, जिसे देश के 21 राज्य संबद्धक विश्वविद्यालयों में शामिल किया गया है। नई शिक्षा नीति में निहित ऑनलाइन टीचिंग-लर्निंग पद्धतियों को लागू करने की योजना के तहत विश्वविद्यालय शिक्षण में उत्कृष्टता लाने के लिए नेतृत्व करने वाले एक आदर्श संस्थान के रूप में काम करेगा।

एआईसीटीई का लक्ष्य ब्रांड एंबेसडर ऑफ चेंज संस्थानों के माध्यम से शैक्षणिक सत्र 2022-23 से देश में लाइट प्रोग्राम का विस्तार अपने संबद्ध कालेजों तक करना है। कार्यक्रम के तहत कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग की दो सहायक प्रोफेसर डॉ. पायल गुलाटी और अमिता अरोड़ा का चयन प्रशिक्षण के लिए किया गया है। प्रोग्राम के अगले चरण में प्रदर्शन के आधार पर दोनों में से एक शिक्षक का चयन माइनर डिग्री प्रोग्राम के कार्याव्यिन के लिए संकाय समन्वयक के रूप में चुना जाएगा।

राष्ट्रीय कार्यक्रम शिक्षा मंत्रालय की पहल

लीडरशिप इन टीचिंग एक्सीलेंस शिक्षा मंत्रालय की पहल है जोकि एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों का चयन कर उन्हें सॉफ्टवेयर उद्योग मानकों के अनुरूप शिक्षण उत्कृष्टता के लिए सक्षम बनाना है ताकि ऐसे शिक्षण उत्कृष्टता के अनुरूप देश के अन्य शैक्षणिक संस्थानों को तैयार किया जा सके। कार्यक्रम के लिए विश्वविद्यालय के चयन पर प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय ने डिजिटल टीचिंग एवं लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहल की हैं। इस कार्यक्रम का हिस्सा बनकर विश्वविद्यालय को देशभर के अन्य संस्थानों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा करने और नई शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहयोग देने लिए एक उपयुक्त मंच प्राप्त होगा। उन्होंने कहा, विश्वविद्यालय ने हमेशा शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ावा देने की पहल की है।

कई संस्थानों ने लाइट कार्यक्रम के लिए किया था आवेदन

प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि 28 राज्यों के 475 शैक्षणिक संस्थानों ने लाइट कार्यक्रम के लिए आवेदन किया था। इनमें से 16 राज्यों के 136 संस्थानों ने चयन प्रक्रिया को पूरा किया है। अब, लाइट कार्यक्रम के लिए 50 संस्थानों का पहला बैच 16 राज्यों का प्रतिनिधित्व कर रहा है। इसमें एक इंस्टीट्यूट आफ एमिनेंस, दो राज्य विश्वविद्यालय, तीन डीम्ड विश्वविद्यालय, दो निजी विश्वविद्यालय, 26 स्वायत्त कॉलेज 15 संबद्ध कॉलेज और 1 स्टैंडअलोन संस्थान शामिल हैं। कंप्यूटर इंजीनियरिंग के अध्यक्ष प्रो. कोमल कुमार भाटिया ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय ने कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए प्यूपिल फर्स्ट प्राइवेट लिमिटेड जोकि शैक्षणिक प्रौद्योगिकी संगठन है, के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने होंगे।

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 28.08.2021

NAVBHARAT TIMES

डिजिटल टीचिंग व लर्निंग को बढ़ावा देने की पहल

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद: अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने जेसी बोस यूनिवर्सिटी चयन लीडरशिप इन टीचिंग एक्सिलेंस (लाइट) प्रोग्राम के तहत ब्रांड एंबेसडर ऑफ चेंज के रूप में किया गया है। जेसी बोस यूनिवर्सिटी हरियाणा की एकमात्र यूनिवर्सिटी है, जिसे इस प्रोग्राम के तहत चुना गया है। नई शिक्षा नीति में निहित ऑनलाइन टीचिंग-लर्निंग पद्धतियों को लागू करने करने की योजना के तहत उत्कृष्टता लाने के लिए नेतृत्व करने वाले एक आदर्श संस्थान के रूप काम करेगा। एआईसीटीई का लक्ष्य ब्रांड एंबेसडर ऑफ चेंज संस्थानों के माध्यम से शैक्षणिक सत्र 2022-23 से लाइट प्रोग्राम का विस्तार अपने संबंधित कॉलेजों तक करना है। कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग की दो सहायक प्रोफेसर डॉ. पायल गुलाटी व अमिता अरोड़ा का चयन कार्यक्रम के तहत नेतृत्व प्रशिक्षण के लिए किया गया है। यूनिवर्सिटी के वीसी दिनेश कुमार ने बताया कि यूनिवर्सिटी ने डिजिटल टीचिंग व लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहल की हैं।